कक्षा- अष्टम विषय-संस्कृतम्

पाठ्यपुस्तक- रुचिरा (तृतीय भाग:)

पाठ: - नवम: , सप्तभगिन्य;

प्रस्तुतकर्ता

नाम- बी. एल. मीना

स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक

प० ऊ० के वि० - 4

रावतभाटा

सप्तभगिन्य: (पाठ सारांश)
(सात बहनें)

' सप्तभगिन्य ' यह एक उपनाम है | उत्तरपूर्व के सात राज्य विशेष को यह उपाधि दी गई है |इन राज्यों के प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विलक्षणता को ध्यान में रखकर इस पाठ की रचना की गई है | पाठ का सार इस प्रकार है -

हमारे देश में उनतीस राज्य तथा सात केंद्रशासित प्रदेश हैं | इन राज्यों में सात राज्यों का एक समूह है |इन्हें 'सात बहनें ' नाम से जाना जाता है |

सप्तभगिन्यः (पाठ सारांश)
(सात बहनें)

अरुणाचल, असम, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड और त्रिपुरा - इन सात राज्यों का समूह ' सात बहनें 'के नाम से प्रसिद्ध है | ये सात बहनें प्राचीन इतिहास में प्रायः स्वाधीन ही दृष्टिगोचर होती हैं | किसी भी शासक ने इन्हें अपने अधीन नहीं किया है | अनेक सांस्कृतियों से विशिष्ट भारत- भूमि में इन बहनों की संस्कृति महत्वपूर्ण है |

पर्वतों, वृक्षों तथा पुष्पों के द्वारा इन राज्यों की प्राकृतिक संपदा अत्यधिक समृद्धि और गौरव को बढाती है | वस्तुतःये सात राज्य सबसे श्रेष्ठ हैं |

शब्दार्थ

बाढ़म्- बहु तअच्छा | ज्ञातुम्- जानने के लिए

कति - कितने | अतिरिच्य - अतिरिक्त

समवाय: - समूह | प्रथित: - प्रसिद्ध

साम्याद् - समानता के कारण | लघूनि- छोटे

प्रभृतिभि: - आदि से | विहितम् -विधिपूर्वक किया गया

शब्दार्थ

पुष्पस्तबकसदृशानि - पुष्प के गुच्छे के समान |

हृद्या - प्रिय (हृदय को प्रिय लगने वाली) मनोरम |

सावहितमनसा - सावधान मन से |

ऊर्जास्विन: - ऊर्जा युक्त | समीचीन: - बहु तअच्छा

अवाप्त: - प्राप्त |

बहृवाकर्षक: (बहु + आकर्षक:) - अत्यंत आकर्षक |

अध्यापिका - सुप्रभात |

छात्राएँ -सुप्रभात, सुप्रभात |

अध्यापिका - अच्छा आज क्या पढना है ?

छात्राएँ - हम सभी अपने देश के राज्यों के विषय में जानना चाहते हैं |

अध्यापिका - सुन्दर | बोलो | हमारे देश में कितने राज्य हैं?

सायरा - महोदया, चौबीस |

सिल्वी - नहीं , नहीं | महाभागा ! पच्चीस राज्य हैं |

अध्यापिका - कोई अन्य भी ---------- |

स्वरा - (बीच में ही) महोदया, मेरी बहन कहती है कि हमारे देश में उनतीस राज्य हैं | इसके अलावा सात केंद्रशासित प्रदेश भी हैं |

अध्यापिका - तुम्हारी बहन अच्छी प्रकार जानती है | ठीक है, क्या तुम जानते हो कि इन राज्यों में सात राज्यों का एक समूह है, जो ' सात बहनें ' इस नाम से प्रसिद्ध है |

सभी - (आश्चर्य से एक- दूसरे को देखते हुए) सात बहनें? सात बहनें ?

निकोलस - ये राज्य ' सात बहनें ' इस नाम से किस प्रकार कहे जाते हैं ?

अध्यापिका - यह प्रयोग सांकेतिक है | संभवतः सामाजिक और सांस्कृतिक वातावरण की समानता के कारण ये उपाधि (विशेषण) के द्वारा प्रसिद्ध हो गए हों |

समीक्षा - मेरी जिज्ञासा शांत नहीं हो रही है | नाइए, वे कौन- से राज्य हैं ?

अध्यापिका - सुनो !

'भगिनी सप्तक ' में ये राज्य हैं – अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड और त्रिपुरा | हालांकि क्षेत्रफल की दृष्टि से ये राज्य छोटे हैं, फिर भी गुण और गौरव की दृष्टि से बडे प्रतीत होते हैं |

सभी - कैसे? कैसे ?

अध्यापिका - ये सात बहनें अपने प्राचीन इतिहास में प्रायः स्वाधीन ही दृष्टिगोचर होती हैं | किसी भी शासक ने इन्हें अपने अधीन नहीं किया | अनेक संस्कृतियों से विशिष्ट भारत भूमि में इन बहनों की संस्कृति महत्वपूर्ण है |

तन्वी - सबसे पहले इस शब्द का प्रयोग कब हुआ ?

अध्यापिका - सुनने में अच्छा लगने वाला यह शब्द गत शताब्दी के बहत्तरवें साल में (1972) त्रिपुरा राज्य के उद्घाटन क्रम में किसी के द्वारा प्रयोग किया गया | इस समय ही इन राज्यों का पुनः गठन किया गया |

स्वरा- इनकी दूसरी भी कोई विशेषता है |

अध्यापिका- अवश्य ही है | पर्वत, वृक्ष तथा पुष्प आदि प्राकृतिक संपदाओं के द्वारा ये राज्य समृद्ध हैं | भारत रूपि वृक्ष पर ये राज्य फूलों के गुच्छों के समान विराजमान हैं |

राजीव - आप ! जिस तरह घर में बहन सबसे अधिक और सुंदर होती है, उसी तरह भारत रूपी घर में ये सात बहनें सबसे अधिक सुंदर हैं |

अध्यापिका - तुम्हारे मन में आई हु ईयह भावना परम कल्याणकारी है, परंतु सभी ऐसा नहीं सोचते हैं | ठीक है, इनके विषय में कुछ विशेषता भी कहनी चाहिए | ध्यान से सुनो --

यह जनजाति बहु लप्रदेश है | गारो, खासी, नगा तथा मिजोरम आदि अनेक जनजातियाँ यहाँ निवास करती है | शरीर से ऊर्जा से भरे हु एइन प्रदेशों के निवासी अनेक भाषाओं से युक्त त्योहारों की पंरपराओं से पूर्ण अपनी क्रियाओं और कलाओं में प्रवीण होते हैं |

मालती - महोदया ! वहाँ तो बांस के वृक्ष भी प्राप्त होते हैं |

अध्यापिका- हां |इस प्रदेश में हस्तशिल्पों की अधिकता है | वस्त्र व आभूषणों से लेकर घरों के निर्माण तक प्रायः बांस के वृक्षों से निर्मित वस्तुओं का उपयोग किया जाता है, क्योंकि यहाँ के वृक्षों की अधिकता है | अब यह बांसों का उद्योग अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्ध को प्राप्त हो गया है |

अभिनव -यह भगिनी प्रदेश अत्यधिक आकर्षक ज्ञात होता है।

सलीम- क्या घूमने के लिए यह प्रदेश उचित है ?

सभी छात्र- (जोर से) महोदया! आने वाले अवकाश में हम वहीं जाना चाहते हैं |

स्वरा - आप भी हमारे साथ चलें |

अध्यापिका- मुझे यह विचार अच्छा लगता है | ये राज्य भ्रमण के लिए स्वर्ग के समान हैं |

पाठांत प्रश्नोत्तर

प्रश्न- 2- प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखत-

क- नवविंशति:

ख- सप्तभगिन्य :

ग- सप्तराज्यानाम्

घ- सप्त / अष्ट

ङ- वंशोद्योग:

प्रश्न- 3- पूर्णवाक्येन उत्तराणि लिखत-

क- भगिनीसप्तके सप्त (अरुणाचल प्रदेश:, असम:, मणिपुरम् , मिजोरम: , मेघालय: नागालैंड:, त्रिपुरा) राज्यानि सन्ति |

ख- इमानि राज्यानि सप्तभगिन्य: इति सामाजिक-सांस्कृतिक-परिदृश्यानां साम्यादसाम्याद् कथ्यन्ते|

ग- सप्तभगिनी-प्रदेशे गारो,खासी,नगा,मिजो प्रभृतय: जनजातिया निवसन्ति |

घ- एतत्प्रादेशिक: बहु भाषाभि: समन्विता:,पर्वपरम्पराभि: परिपूर्णता:, स्वलीला-कलाभिश्च निष्णाता: सन्ति |

ङ- वंशवृक्षवस्तुनाम् उपयोग: सप्तभगिनी - प्रदेशे क्रियते |

पाठांत प्रश्नोत्तर

प्रश्न- 4- रेखाकिंतपदमाधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत-

क- कस्य ख- का: ग- केषां

घ- कीदृशानि

प्रश्न- 5- यथानिर्देशमुत्तरत-

क- स्वरायै ख- इमानि

ग- विहितम् घ- प्राचुर्यम् ङ- वर्तन्ते |

प्रश्न--6(अ) तद्भवपदानां कृते संस्कृत पदानि लिखत-

संस्कृत- पदानि

भगिनी, संघटनम् , वंशम् , अद्य,

|

प्रश्न- 6- (आ) भिन्नप्रकृतिकं पदं चिनुत -

क- अहसत् ख- लेखिका ग- आम्र:

घ- कपोत: ङ- यानम्

प्रश्न- 7- विशेष्य- विशेषणानाम् उचितं मेलनम् कुरुत-

विशेष्य - पदानि	**विशेषण- पदानि**
अयम्	प्रदेश: |
संस्कृतिविशिष्टायाम्	भारतभूमो |
महत्वाधायिनी	संस्कृति: |
प्राचीने	इतिहासे |
एक:	समवाय: |

धन्यवाद